The Minister of Planning and Labour and Employment (Shri Nanda): (a) and (b). The proposal is still under consideration of the Government.

समाचार-पत्र उद्योग मे एकाविकार प्रवृत्तियां

श्री भक्त दर्शन :
श्री भागवत झा श्राजाद :
श्री श्रीनारायण दाल :
श्री मुरेन्द्र नाथ द्विवदी :
श्री मे० क० कुमारन :
श्री नो० श्रीकांन्त नायर :
श्री विद्याचरण शुक्त
श्री दी० च० शर्मा :

क्या सूचना और प्रसारण मंत्री २४ मई, १९६२ के तारांकित प्रश्न संख्या १९८ के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने को कृपा करेंगे कि समाचार-पत्र उद्योग में स्वामित्व के एकत्री-करण और एकाधिकारक प्रवृत्तियों का अध्ययन करने में इस बीच क्या प्रगति हुई है?

सुचना श्रीर प्रसारण मंत्री (डा० बी० गोगाल रेड्डो) : यह विषय श्रभी विचाराधीन है।

उत्तर प्रदेश में भ्रखवारी कागज का कारखाना

*३०६, ∫श्रीभक्त दर्शन: श्रीदी०च० शर्माः

क्या वाणिज्य तथा उद्योग मन्त्री २ मई, १६६२ के तारांकित प्रश्न संख्या ३३७ के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि उत्तर प्रदेश में एक प्रखवारी कागज के कारखाने की स्थापना के सम्बन्ध में श्रव और ग्रागे क्या प्रगति हुई है?

वाणिज्य तथा उद्योग मंत्रालय में उद्योग मंत्री (श्री कानूनगो) : संस्थापको ने श्रभी तक प्रस्ताबित विदेशी सहयोग की शर्तों का थौरा प्रस्तुत नहीं किया है।

Financial Position of Dandakaranya Project

- *307. Shri P. K. Deo: Will the Minister of Works, Housing and Supply be pleased to state:
- (a) whether Chairman of the Dandakaranya Development Authority in a recent statement at Bhubaneswar described the present financial position of the Dandakaranya Project as "unsatisfactory"; and
- (b) if so, whether the statement is correct?

The Minister of Works, Housing and Supply (Shri Mehr Chand Khanna):
(a) and (b). A statement is placed on the Table of the Sabha. [See Appendix I, annexure No. 71].

Import of Books

*508. Shri Hem Barua: Will the Minister of Commerce and Industry be pleased to state whether it is a fact that Government propose to impose restrictions on the import of books in pursuance of its reorientated import policy?

The Minister of International Trade in the Ministry of Commerce and Industry (Shri Manubhai Shah): The Established Importers quota or import of books has recently been reduced from 100 per cent to 75 per cent, on account of the general cut in imports in view of the tight foreign exchange position. No other new restrictions have been imposed on import of books during the current licensing period. Import of books on technical and subjects by educational libraries, educational institutions etc. has not been affected and no cuts have been made in their imports.

Prices of Daily Newspapers

- *309. Dr. L. M. Singhvi: Will the Minister of Information and Broadcasting be pleased to state:
- (a) whether Government are aware that daily newspapers in Delhi have increased their prices with effect from 1st August, 1962;